तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 101/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2019

(www.trai.gov.in)

31 अगस्त, 2019 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1171.00**	**20.82**	**1191.81**
अगस्त, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.68	-0.15	2.54
मासिक वृद्धि दर	0.23%	-0.70%	0.21%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**662.74**	**18.05**	**680.80**
अगस्त, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.88	-0.10	2.78
मासिक वृद्धि दर	0.44%	-0.56%	0.41%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**508.25**	**2.76**	**511.02**
अगस्त, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-0.19	-0.05	-0.24
मासिक वृद्धि दर	-0.04%	-1.63%	-0.05%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**88.77**	**1.58**	**90.34**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	157.25	4.28	161.54
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	56.61	0.31	56.92
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	56.60%	86.73%	57.12%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	43.40%	13.27%	42.88%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**597.11**	**18.32**	**615.43**

- अगस्त, 2019 के माह में 4.86 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से जुलाई, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 447.41 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 452.26 मिलियन हो गया।

- अगस्त, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 970.23 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- जुलाई, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,189.28 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 1,191.81 हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.21 प्रतिशत दर्ज की गयी। जुलाई, 2019 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 678.02 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 680.80 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 511.25 मिलियन से घटकर 511.02 मिलियन हो गई। अगस्त, 2019 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.41 प्रतिशत तथा –0.05 प्रतिशत रही।

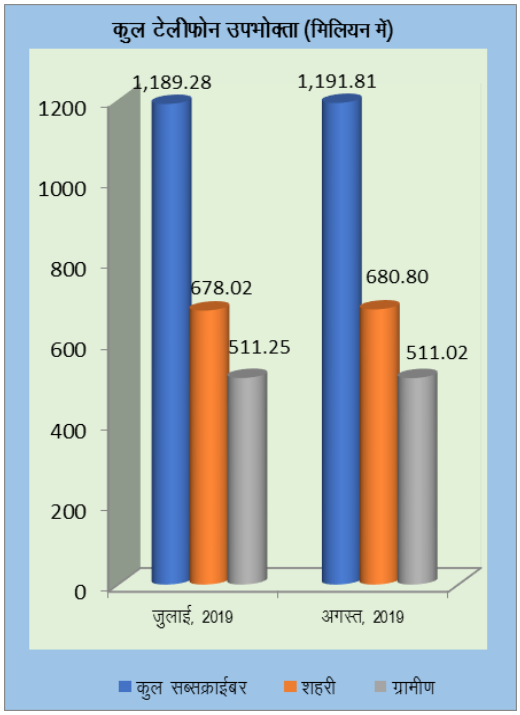

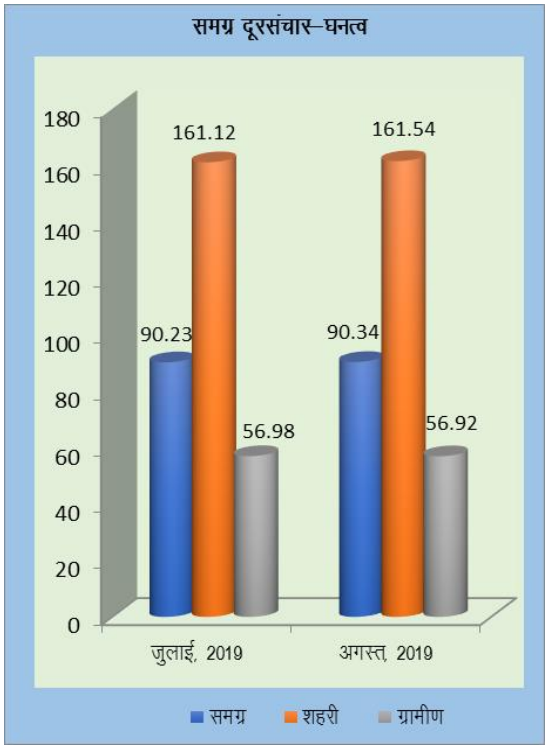

- जुलाई, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 90.23 से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 90.34 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जुलाई, 2019 के अंत तक 161.12 से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 161.54 हो गया, जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व जुलाई, 2019 के अंत तक 56.98 से घटकर अगस्त, 2019 के अंत तक 56.92 हो गया। अगस्त, 2019 के अंत तक शहरी और शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 57.12 प्रतिशत तथा 42.88 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 अगस्त, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

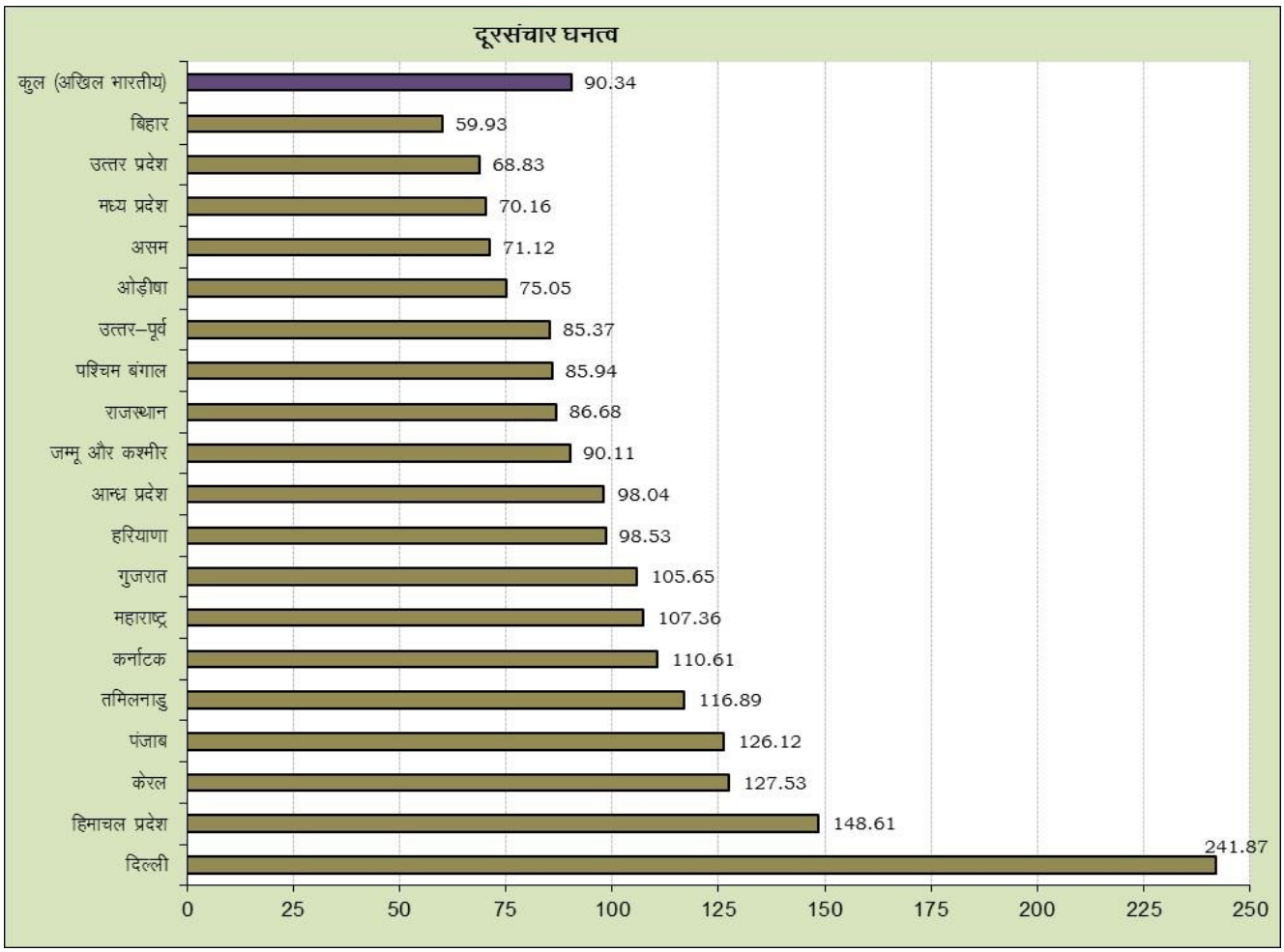

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि अगस्त, 2019 के अंत में नौ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 241.87 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 59.93 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

अगस्त, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	अगस्त, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 अगस्त, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-75,338	968,974	8,050,613	401,016,160
श्रेणी – ख	-48,112	1,356,048	5,104,213	475,048,305
श्रेणी – ग	-9,011	-324,318	812,966	176,248,497
महानगर	-14,348	682,940	6,850,117	118,683,507
अखिल भारतीय	**-146,809**	**2,683,644**	**20,817,909**	**1,170,996,469**

अगस्त, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जुलाई, 2019 से अगस्त, 2019 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अगस्त, 2018 से अगस्त, 2019 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.93	0.24	-7.75	-0.19
श्रेणी – ख	-0.93	0.29	-8.41	-0.01
श्रेणी – ग	-1.10	-0.18	-16.25	0.19
महानगर	-0.21	0.58	-0.96	3.99
अखिल भारतीय	**-0.70**	**0.23**	**-6.17**	**0.35**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि अगस्त, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में श्रेणी 'ग' के अलावा अन्य सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई है। इसी दौरान वार्षिक आधार पर श्रेणी 'क' एवं 'ख' के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में अगस्त, 2019 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक तथा वार्षिक दोनो आधार पर निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- जुलाई, 2019 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,168.31 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 1,171.00 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.23 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जुलाई, 2019 के अंत तक 659.87 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 662.74 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 508.45 मिलियन से घटकर 508.25 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.44 प्रतिशत तथा –0.04 प्रतिशत रही।

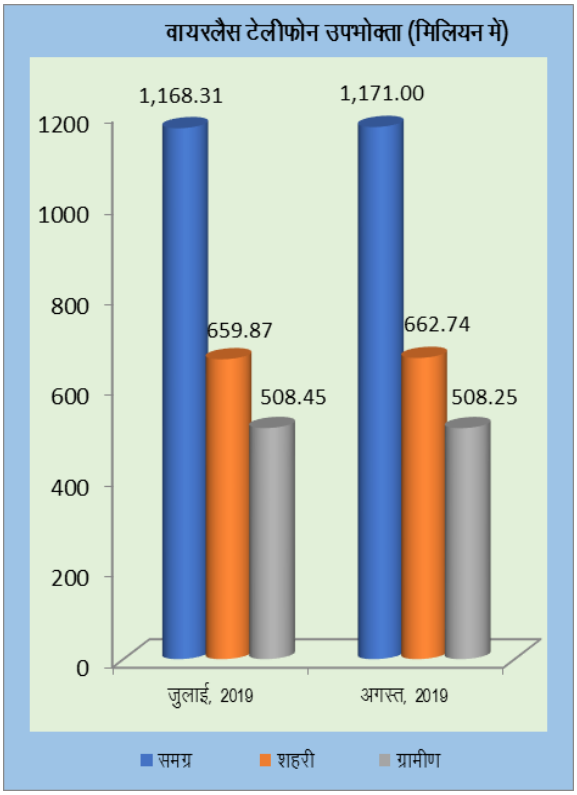

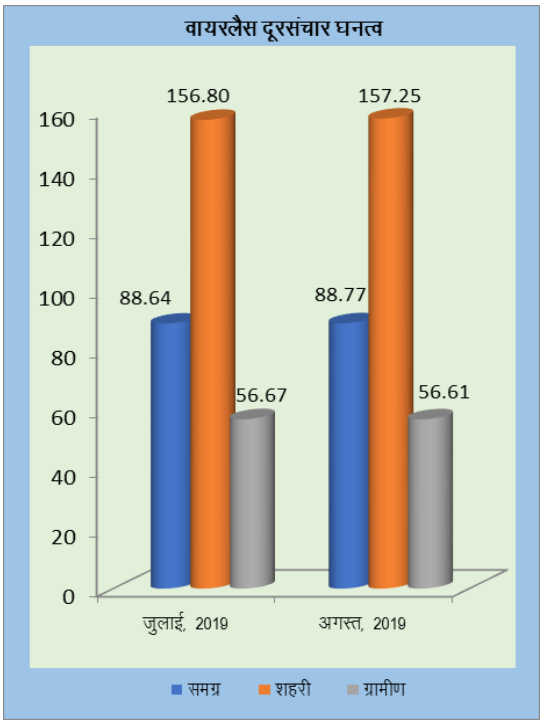

- जुलाई, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 88.64 से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 88.77 हो गया। शहरी क्षेत्रों में जुलाई, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 156.80 से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत में 157.25 हो गया, जबकि इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 56.67 से घटकर 56.61 हो गया। अगस्त, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.60 प्रतिशत तथा 43.40 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 अगस्त, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.78 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं

नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.22 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

31 अगस्त, 2019 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

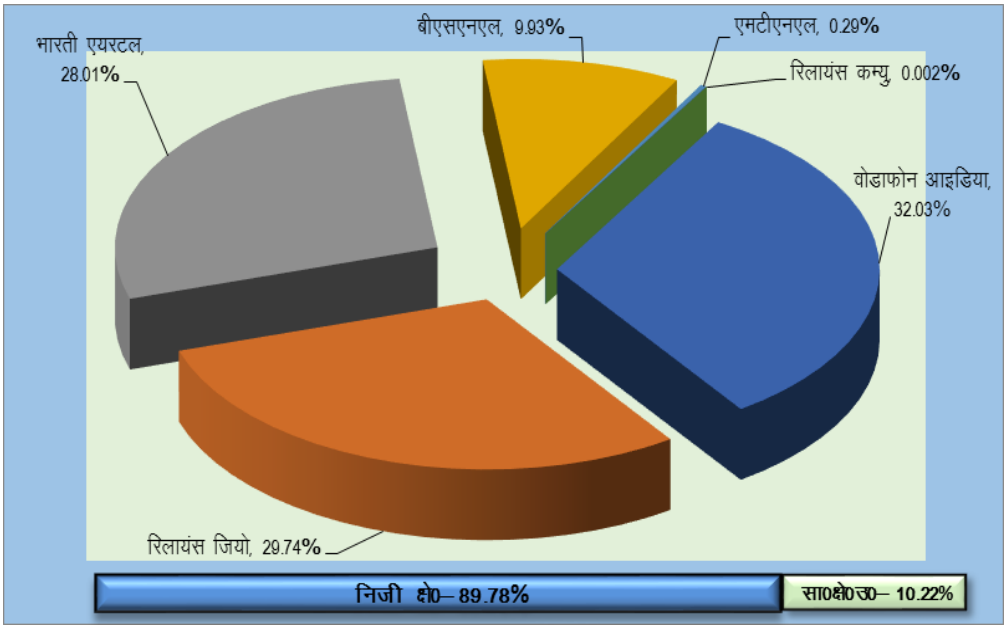

अगस्त, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

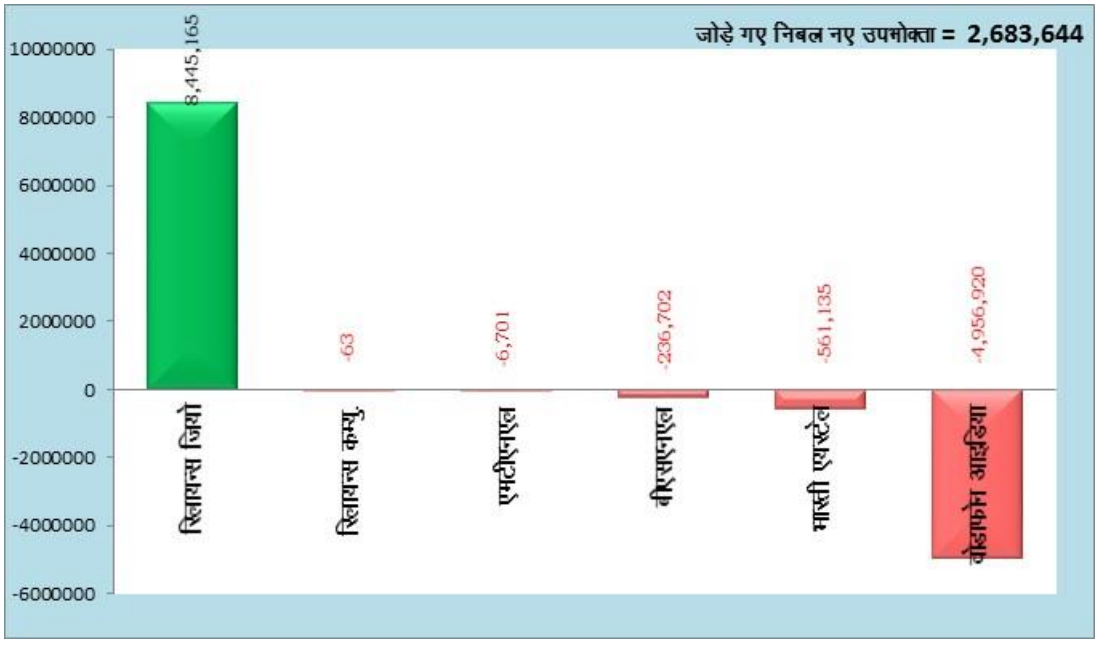

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- अगस्त, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,171.00 मिलियन) में से 970.23 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 82.85 प्रतिशत था।

- अगस्त, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

अगस्त, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

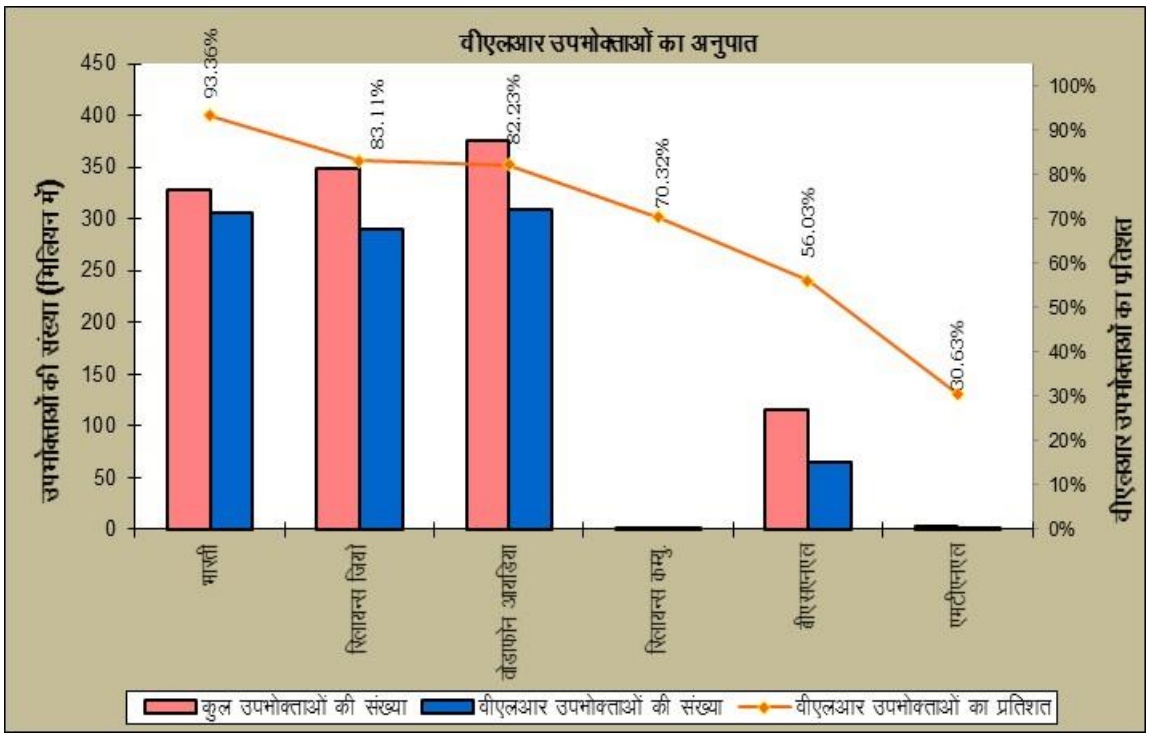

- अगस्त, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 93.36 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

अगस्त, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

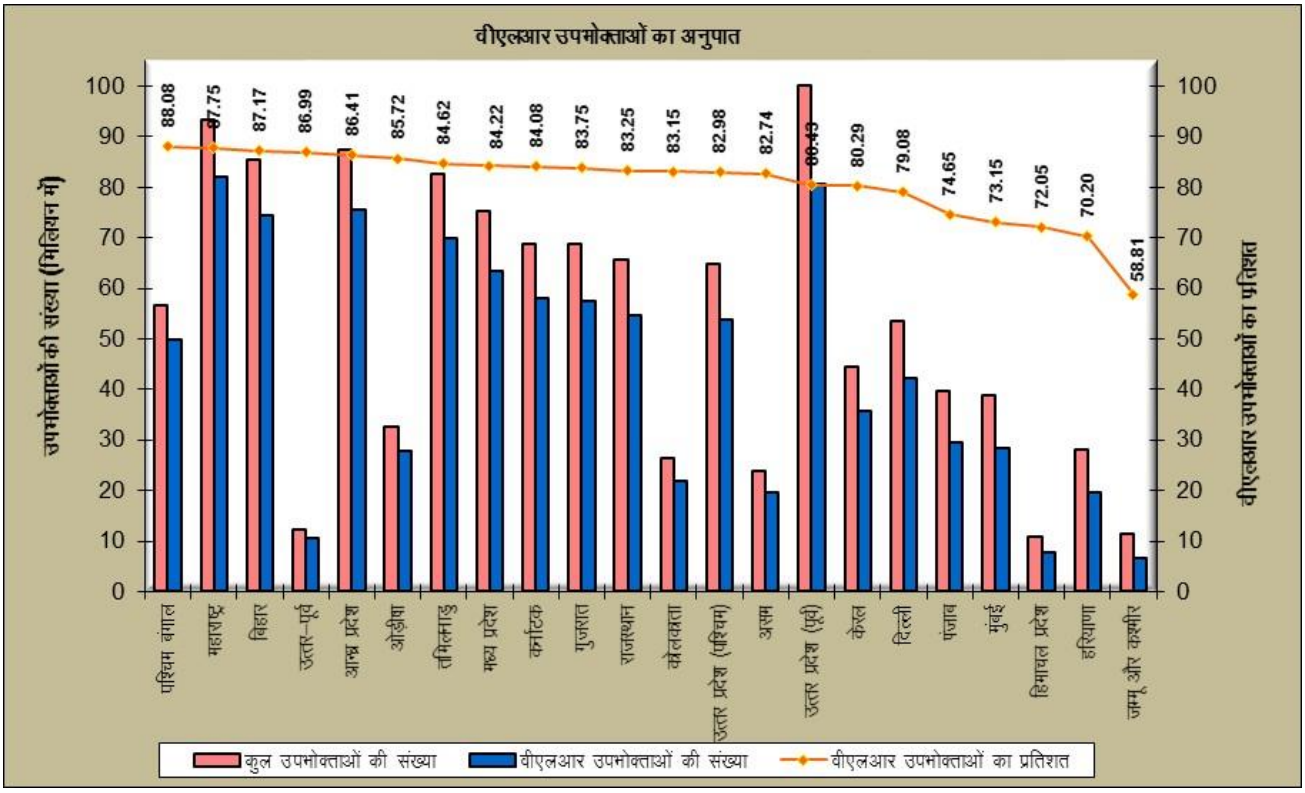

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

अगस्त, 2019 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

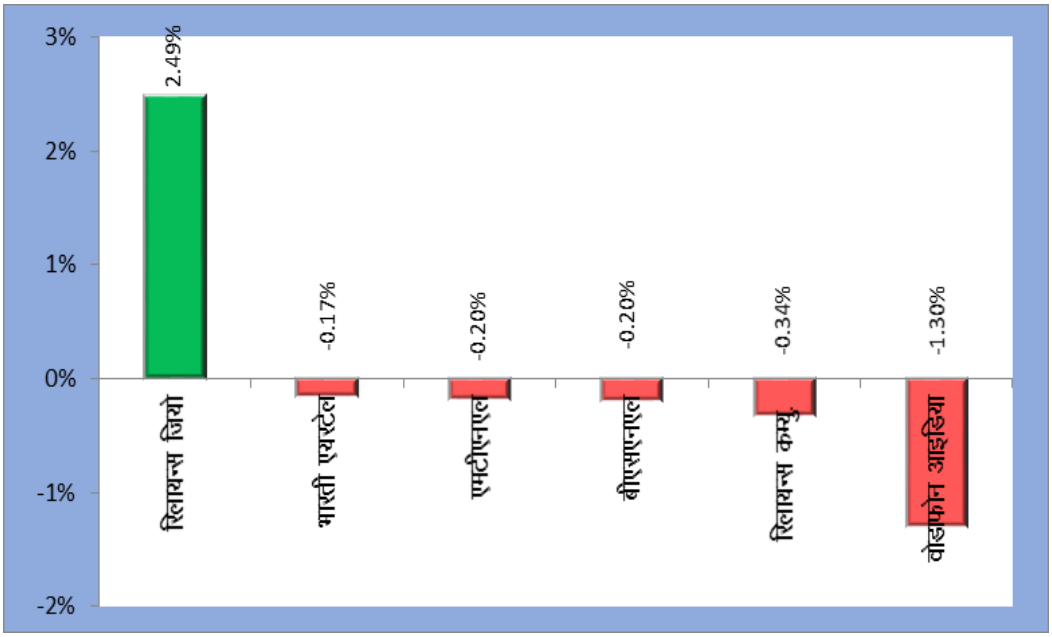

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

अगस्त, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

- अगस्त, 2019 माह के दौरान 22 सेवा क्षेत्रों में से पांच सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर्ज की गई। मुंबई सेवा क्षेत्र में अधिकतम मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई जबकि ओडीशा सेवा क्षेत्र में अधिकतम ह्रास दर दर्ज की गई है।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- अगस्त, 2019 के माह में कुल 4.86 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 4.86 मिलियन अनुरोधों में से 2.69 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 2.17 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध जुलाई, 2019 के अंत तक 447.41 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत तक 452.26 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 35.51 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 33.60 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 41.73 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 38.20 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019		जुलाई, 2019	अगस्त, 2019
दिल्ली	23.03	23.28	आन्ध्र प्रदेश	37.84	38.20
गुजरात	29.78	30.14	असम	3.48	3.51
हरियाणा	16.26	16.43	बिहार	18.05	18.30
हिमाचल प्रदेश	2.18	2.21	कर्नाटक	41.44	41.73
जम्मू और कश्मीर	1.11	1.11	केरल	10.96	11.15
महाराष्ट्र	33.04	33.60	कोलकाता	10.76	10.83
मुंबई	22.71	22.89	मध्य प्रदेश	29.47	29.86
पंजाब	17.24	17.46	उत्तर–पूर्व	1.36	1.37
राजस्थान	35.24	35.51	ओड़ीशा	9.00	9.09
उत्तर प्रदेश–पूर्व	24.63	24.96	तमिलनाडु	37.67	37.98
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	19.93	20.24	पश्चिम बंगाल	22.24	22.41
कुल	**225.14**	**227.83**	कुल	**222.27**	**224.44**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**447.41**	**452.26**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (अगस्त, 2019 माह में)					4.86 मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जुलाई, 2019 के अंत तक 20.96 मिलियन से और घटकर अगस्त, 2019 के अंत तक 20.82 मिलियन हो गया। इस माह में 0.70 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.15 मिलियन की निबल कमी हुई। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- अगस्त, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 86.73 प्रतिशत तथा 13.27 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व जुलाई, 2019 माह के अंत में 1.59 से घटकर अगस्त, 2019 माह के अंत में 1.58 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.28 तथा 0.31 रहा।

- अगस्त, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 64.67 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। अगस्त, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 अगस्त, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

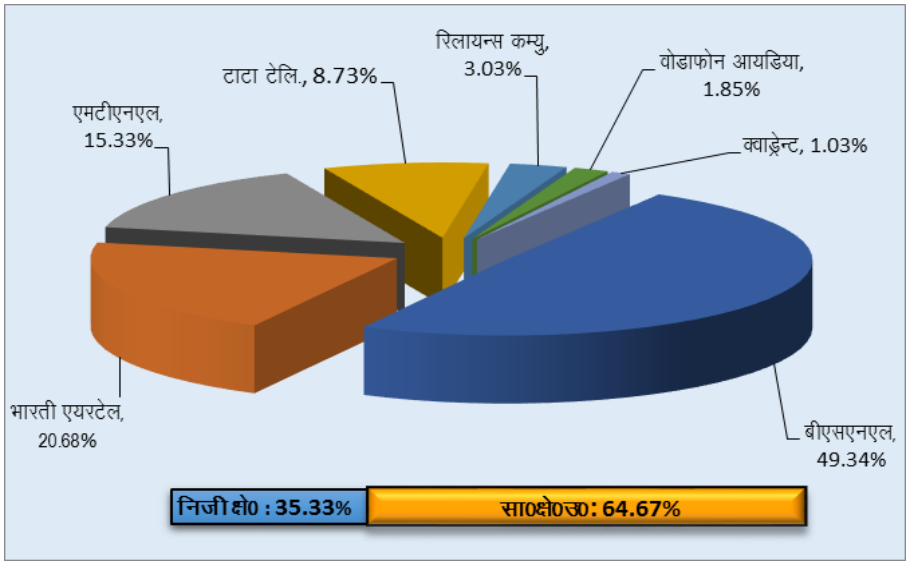

अगस्त 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

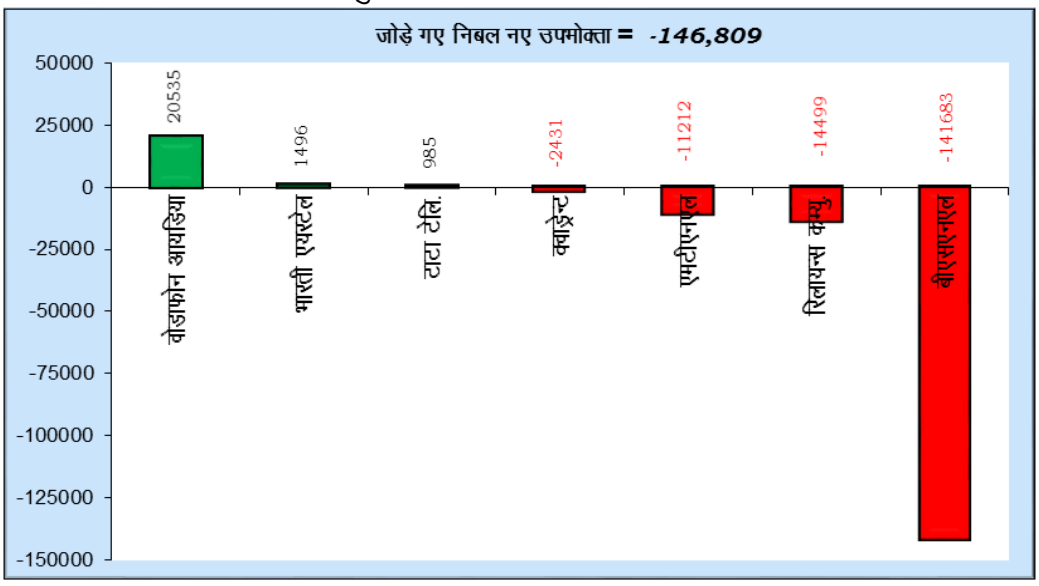

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- अगस्त माह में 326 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, जुलाई, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 604.12 मिलियन से बढ़कर अगस्त, 2019 के अंत में 615.43 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.87 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		अगस्त, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 अगस्त, 2019 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	18.52	18.32	-1.08%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	585.05	596.55	1.97%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.55	0.56	2.32%
कुल	**604.12**	**615.43**	**1.87%**

- अगस्त, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.96 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (348.24 मिलियन), भारती एयरटेल (126.70 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (111.11 मिलियन), बीएसएनएल (21.50 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.47 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 31.08.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

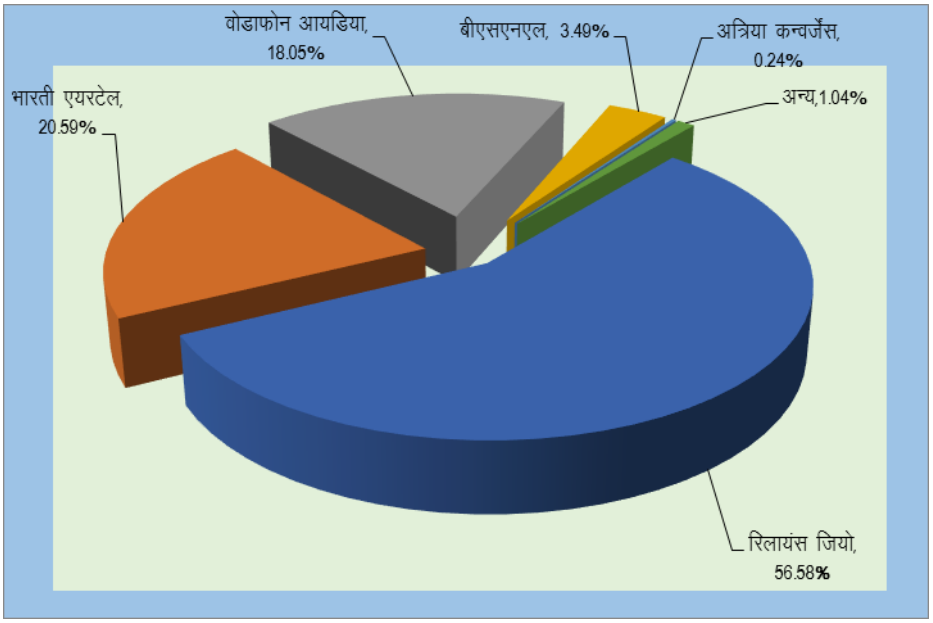

- दिनांक 31 अगस्त, 2019 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (8.79 मिलियन), भारती एयरटेल (2.41 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.47 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.85 मिलियन) तथा यू ब्रॉडबैंड (0.75 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 अगस्त, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (348.24 मिलियन), भारती एयरटेल (124.30 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (111.09 मिलियन), बीएसएनएल (12.70 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.21 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019
आन्ध्र प्रदेश	28819821	28840680	2060	2025	21345464	20955346	10075956	10022706					27074628	27701016	**87317929**	**87521773**
असम	8327828	8326321			5663147	5506387	2552782	2666132					7148423	7352014	**23692180**	**23850854**
बिहार	36568810	36274615	229	229	19238015	18596047	4837277	4902021					24910635	25700781	**85554966**	**85473693**
दिल्ली	15426329	15393347	2260	2112	19065315	18970433					2202615	2199663	16571642	16982656	**53268161**	**53548211**
गुजरात	11047857	10969061	584	586	30365913	29881572	6049371	6057587					21350850	21806920	**68814575**	**68715726**
हरियाणा	4259707	4326992	182	182	10342007	10221920	4977904	4990218					8375544	8595645	**27955344**	**28134957**
हिमाचल प्रदेश	3347009	3396854	72	72	1248951	1184493	2890712	2906987					3149088	3231319	**10635832**	**10719725**
जम्मू और कश्मीर	5620579	5544309			1124763	1066838	1206629	1206558					3642510	3644442	**11594481**	**11462147**
कर्नाटक	28410654	28461282	1609	1602	14047662	14031675	7257083	7289454					18594624	19089683	**68311632**	**68873696**
केरल	5367259	5426019	498	499	20155387	20052585	10919476	10921734					7994970	8204538	**44437590**	**44605375**
कोलकाता	6494422	6433288	34	34	8705084	8605971	1664788	1701416					9399016	9584024	**26263344**	**26324733**
मध्य प्रदेश	15092709	14965977	850	874	28007021	27669039	6404824	6383864					25629060	26234023	**75134464**	**75253777**
महाराष्ट्र	15622797	15507101	856	869	44277040	43555960	7152795	7189291					26280060	27128209	**93333548**	**93381430**
मुंबई	9410475	9597124	3945	3928	14950899	14877618					1206091	1202342	12897652	13129551	**38469062**	**38810563**
उत्तर–पूर्व	5258804	5243637			2285848	2264824	1468229	1481148					3170522	3249018	**12183403**	**12238627**
ओड़ीशा	12210338	12092017	305	305	4472686	4361235	5715289	5189358					10513335	10860536	**32911953**	**32503451**
पंजाब	10266681	10282091	296	296	11027742	11168934	5483368	5528790					12595197	12719827	**39373284**	**39699938**
राजस्थान	21487144	21383961	411	446	16057949	15690080	6065131	6078097					22008449	22475937	**65619084**	**65628521**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25376254	25357822	2834	2886	23353520	23188693	12202304	12204940	107332	85950			21227258	21683244	**82269502**	**82523535**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	30630083	30628872	812	812	33236041	32954435	11671692	11606982					24159850	24964522	**99698478**	**100155623**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	12999576	13172935	62	62	28366191	27916543	5887283	5873538					17745706	17985718	**64998818**	**64948796**
पश्चिम बंगाल	16468233	16327929	725	742	22683789	22342886	1966528	2033280					15355920	15916481	**56475195**	**56621318**
कुल	**328513369**	**327952234**	**18624**	**18561**	**380020434**	**375063514**	**116449421**	**116234101**	**107332**	**85950**	**3408706**	**3402005**	**339794939**	**348240104**	**1168312825**	**1170996469**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-561135		-63		-4956920		-215320		-21382		-6701		8445165	0	**2683644**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*139409966*	*138465834*	*0*	*0*	*198416194*	*193666630*	*36934191*	*36661082*	*0*	*0*	*46035*	*45973*	*133639395*	*139413216*	**508445781**	**508252735**

अनुलग्नक–**II**

अगस्त, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	99.70	65.85	84.52		66.57	81.44	**86.41**
असम	95.18	56.21	73.25			85.39	**82.74**
बिहार	92.87	57.22	72.58		40.17	95.38	**87.17**
दिल्ली	86.98		81.96	21.29	96.78	76.18	**79.08**
गुजरात	93.85	50.19	87.75		32.25	82.53	**83.75**
हरियाणा	99.24	37.13	79.48		40.11	63.74	**70.20**
हिमाचल प्रदेश	93.73	41.57	84.42		50.00	72.15	**72.05**
जम्मू और कश्मीर	40.18	66.83	71.68		-	80.71	**58.81**
कर्नाटक	94.12	59.90	82.76		96.00	79.31	**84.08**
केरल	97.54	64.68	87.83		37.27	71.23	**80.29**
कोलकाता	92.09	59.89	84.65		-	79.94	**83.15**
मध्य प्रदेश	93.92	50.64	80.83		43.82	90.42	**84.22**
महाराष्ट्र	96.36	53.46	88.32		60.87	91.00	**87.75**
मुंबई	75.00		70.16	47.71	-	77.51	**73.15**
उत्तर–पूर्व	96.69	73.76	71.82		-	87.94	**86.99**
ओड़ीशा	92.16	79.74	78.94		19.02	84.14	**85.72**
पंजाब	96.72	42.98	74.73		27.70	70.50	**74.65**
राजस्थान	96.58	46.66	83.00		35.87	80.63	**83.25**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	93.64	69.49	87.57		81.60	79.47	**84.62**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	95.23	39.51	76.45		43.97	86.57	**80.43**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	99.95	43.38	83.61		-	82.49	**82.98**
पश्चिम बंगाल	93.94	84.73	82.51		29.51	90.31	**88.08**
कुल	**93.36**	**56.03**	**82.23**	**30.63**	**70.32**	**83.11**	**82.85**

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया			
	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019	जुलाई, 2019	अगस्त, 2019
आन्ध्र प्रदेश	871268	850992			212265	212344	39806	39418	174058	175263			61130	61250	**1358527**	**1339267**
असम	104384	102654											3030	3360	**107414**	**106014**
बिहार	167630	163778					2643	2635	8396	8388			1980	2010	**180649**	**176811**
दिल्ली			1461217	1456036	1500205	1501653	103294	92246	155294	156614			60190	63945	**3280200**	**3270494**
गुजरात	862943	857768			97781	98043	16001	15502	87665	87975			30660	31005	**1095050**	**1090293**
हरियाणा	197769	195285			23251	22989	2160	2130	36909	37678			240	270	**260329**	**258352**
हिमाचल प्रदेश	104094	102773					1676	1616	1780	1782			60	60	**107610**	**106231**
जम्मू और कश्मीर	101706	102779													**101706**	**102779**
कर्नाटक	968952	960232			706830	709968	112728	111758	273059	274440			51307	53647	**2112876**	**2110045**
केरल	1740081	1728213			61927	61752	13922	13715	18948	19115			4110	4320	**1838988**	**1827115**
कोलकाता	446093	439477			133727	133082	36835	36680	53705	53210			11290	11560	**681650**	**674009**
मध्य प्रदेश	640629	637791			243509	243395	7835	6968	14399	14628			1170	1170	**907542**	**903952**
महाराष्ट्र	1004915	986500			102225	103483	42091	42401	268695	264829			23990	25743	**1441916**	**1422956**
मुंबई			1742310	1736279	386497	384647	165441	165953	551199	551055			57168	67680	**2902615**	**2905614**
उत्तर–पूर्व	99004	98062											240	240	**99244**	**98302**
ओड़ीषा	209793	207297					2075	2079	8146	8053			5340	5400	**225354**	**222829**
पंजाब	364626	357182			137954	137644	10408	10362	12414	12282	216852	214421	1770	1800	**744024**	**733691**
राजस्थान	412952	405574			57673	58064	17662	17512	11507	11556			12480	12720	**512274**	**505426**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1357712	1329601			550079	548685	62663	61661	124698	125225			22430	22880	**2117582**	**2088052**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	318756	314473			64858	64610	4882	4928	8317	8404			12320	12350	**409133**	**404765**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	249489	245172			24289	24207	2625	2622	4987	4678			4470	4500	**285860**	**281179**
पश्चिम बंगाल	189969	185479					1562	1624	2524	2510			120	120	**194175**	**189733**
कुल	**10412765**	**10271082**	**3203527**	**3192315**	**4303070**	**4304566**	**646309**	**631810**	**1816700**	**1817685**	**216852**	**214421**	**365495**	**386030**	**20964718**	**20817909**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-141683		-11212		1496		-14499		985		-2431		20535		**-146809**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2717264	2672747	0	0	0	0	1310	1280	47638	46970	42740	42090	0	0	**2808952**	**2763087**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————